मैंने बता दिया है कि प्रधानमंत्री जी से बात करने गए हुए हैं। ...(व्यवधान)... आप बोलना चाहते हैं तो बोलिए। ...(व्यवधान)... सारा देश सब को देख रहा है, मुझे अकेले को नहीं देख रहा है, आप को देख रहा है। ...(व्यवधान)... आप बैठिए ...(व्यवधान)... बैठिए-बैठिए। ...(व्यवधान)... आप ही कह रहे हैं कि बहुत गंभीर मसला है तो गंभीर मसला ऐसे थोड़े ही तय होगा। ...(व्यवधान)... आप बैठेंगे, बात करेंगे तभी तो गंभीर मसला तय होगा। ...(व्यवधान)... आप बैठकर बोलिए। ...(व्यवधान)... यही बात बैठकर बोलिए। ...(व्यवधान)... यही बात बैठकर बोलिए। ...(व्यवधान)... आप मेरी बात सुनिए ...(व्यवधान)... मेरी बात सुन लीजिए, अभी एक घंटे में कोई भूकम्प नहीं आने वाला है। जो हो गया, वह हो गया है। ...(व्यवधान) ... आप बैठिए। ...(व्यवधान)... बातचीत करने गए हुए हैं, वे बात-चीत करके आ जाएंगे तो उस समय पता चल जाएगा। ...(व्यवधान)... यह प्रहार यहां से नहीं रुकेगा। ...(व्यवधान) ... वहां से बैठकर बोलेंगे तो चलेगा। ...(व्यवधान)... प्रधानमंत्री जी बात करने गए हैं ...(व्यवधान)... आप बैठिए ...(व्यवधान)... एक बात सुनिए ...(व्यवधान)... एक मिनट ...(व्यवधान)... वह छोड़िए ...(व्यवधान)... प्रधानमंत्री जी विचार कर रहे हैं ...(व्यवधान) ... यूं ही प्रधानमंत्री जी के पास ...(व्यवधान)... सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned at thirteen minutes past twelve of the clock.

The House re-assembled after lunch at one minute past two of the clock, MR. CHAIRMAN in the Chair.

STATEMENT BY PRIME MINISTER

Latest developments pertaining to the sharing of water arising out of the decisions of the Punjab Vidhan Sabha

THE PRIME MINISTER (DR. MANMOHAN SINGH): Mr. Chairman, Sir, the Central Government shares the concerns expressed in this House regarding the latest developments pertaining to the sharing of waters between the States concerned. We have to find a lasting solution to resolve this matter, protecting the unity and integrity of the country and the interests of the States concerned. I have, Sir, therefore, invited the Chief Ministers of Punjab, Haryana, Rajasthan and Himachal Pradesh for a discussion to find an amicable solution to this problem. The Leaders of Opposition of both Houses of Parliament also called on me this morning, and while expressing their grave concern, they assured me their full support in resolving the issue.

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल): सभापति महोदय, प्रधान मंत्री जी आज concern show कर रहे हैं, लेकिन हम जानना चाहेंगे कि प्रधान मंत्री जी उस समय क्या सो रहे थे जिस समय यह Bill contemplate हो रहा था? ...(व्यवधान)... जिस समय यह पारित हुआ ...(व्यवधान)... प्रधान मंत्री जी क्या कर रहे थे? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: श्री जसवंत सिंह। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): यह भाषा ठीक नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़): ये शब्द वापिस लेने चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, जिस समय यह बिल contemplate हो रहा था, उस समय प्रधान मंत्री जी क्या कर रहे थे? ...(व्यवधान)...

श्री दीपांकर मुखर्जी (पश्चिमी बंगाल): सर, * की हद होती है ...(व्यवधान)... There is a limit to it. ...*(Interruptions)*... How long will it go on? ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: आप बैठिए, बैठिए तो सही ...(व्यवधान)... आप भी बैठिए। श्री जसवंत सिंह।

श्री संजय निरुपम (महाराष्ट्र): सभापति जी, सदन में एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया जा रहा है और उसे * कहा जा रहा है यहां पर ...(व्यवधान)... सभापति जी, यह शब्द वापिस लें। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: बैठिए, बैठिए। श्री जसवंत सिंह। ...(व्यवधान)... बैठिए तो सही। ...(व्यवधान)... आप बैठिए ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर, उन्हें माफी मांगनी चाहिए। ...(व्यवधान)...

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: Why should I apologise? ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: बैठिए, एक मिनट बैठिए, बैठिए ...(व्यवधान)...

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: Was the Centre sleeping over this issue? ...*(Interruptions)*...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): सर, सदन की कार्यवाही के लिए * शब्द का प्रयोग हुआ है। * शब्द वापिस लिया जाये। ...(व्यवधान)...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री सभापति: श्री जसवंत सिंह। आप उन्हें बोलने दो ...(व्यवधान)... जो भी unparliamentary शब्द है, मैं देखूंगा। ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: सर, * शब्द का इस्तेमाल हुआ है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: बैठिए, आप बैठिए। मैं यह allow नहीं करूंगा, रिकॉर्ड में नहीं जा रहा है।

प्रो॰ राम देव भंडारी: इन्हें माफी मांगनी चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप जसवंत सिंह जी की बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... बैठिए, बैठिए। ...(व्यवधान)... आप लोग थोड़ा शांत रहिए। बोलिए, जसवंत सिंह जी।

श्री संजय निरुपम: सर, * शब्द का उपयोग हुआ है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक बात मैं कह दूं, जो अनपार्लियामेंटरी वर्ड यूज हुए हैं, उनको मैं देखूंगा, मैंने सुना नहीं, नंबर एक। दूसरा अनपार्लियामेंटरी वर्ड अगर कोई यूज करता है तो उससे केवल सदन की गरिमा ही नहीं गिरती है बल्कि जो बोलने वाला है उसकी भी गरिमा गिरती है। ...(व्यवधान)... प्लीज, अब बोलने दीजिए इनको। ...(व्यवधान)...

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI JASWANT SINGH): Sir, before I say anything else, I wish to retiterate my commitment, which I gave to the hon. Prime Minister, when he did the kindness of receiving both my senior, the Leader of the Opposition in Lok Sabha, Shri Lal Krishna Advani, and I. We assure the Government and the Prime Minister of our total cooperation in endeavouring to find an early and amicable resolution to this issue.

This is a highly sensitive issue. It involves a very vital commodity, water. Already, the sensitivities and passions are high. It is our endeavour, as a party, and as the Opposition, not to see it was either a partisan issue, or as an issue that is Punjab versus any other State, or, Punjab versus this State or that State. It is an issue that involves the whole of India. But the manner in which we address this challenge today will set a precedent, and it is my endeavour and hope that no such challenge faces us ever again. So, I do reiterate what I have told the Prime Minister, we will cooperate with the fully. Please, please, and I have no doubt you will, attend to the sensitivities that we addressed here also.

श्री सभापति: रेलवे बजट।

श्री संजय निरुपम: सर, रेलवे बजट से पहले मैं कुछ कहना चाहता हूं।

* Expunged a ordered by the Chair.

श्री सभापति: नहीं, मैं एलाऊ नहीं करुंगा। आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

श्री संजय निरुपम: सर, मैं आपकी अनुमति चाहता हूं।

श्री सभापति: मैं कोई अनुमति नहीं दे रहा हूं। मैं एलाऊ नहीं करुंगा। ...(व्यवधान)... नहीं, कोई अनुमति नहीं है। आप बिना अनुमति के बोलने की आदत क्यों बना रहे हैं? मैं एलाऊ नहीं करूंगा। ...(व्यवधान)... कोई रिकॉर्ड में नहीं जाएगा। रिकॉर्ड न किया जाए। ...(व्यवधान)... आप हर वक्त खड़े हो जाते हैं, यह उचित तो नहीं है।

श्री संजय निरुपम: सर, मैं तो आपसे अनुमति मांग रहा हूं।

श्री सभापति: मैं आपको अनुमति नहीं दे रहा हूं। आप बैठ जाइए। अनुमति यों नहीं दी जाती कि आप मेरे गले पर बैठकर अनुमति लें। चलिए, रेलवे बजट पर चर्चा।

श्री हरेन्द्र सिंह मलिक (हरियाणा): सभापति जी, माननीय प्रधान मंत्री जी यहां मौजूद हैं, कम से कम सदन को आश्वासन दें। ...(व्यवधान)... हरियाणा के लोगों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। ...(व्यवधान)... चेयरमैन साहब, संविधान को तोड़ा जा रहा है, मरोड़ा जा रहा है। ...(व्यवधान)...

THE BUDGET (RAILWAYS), 2004-2005

SHRI RAMA MUNI REDDY SIRIGIREDDY (Andhra Pradesh): Mr. Chairman, Sir, the Railway Budget presented by the hon. Railway Minister ...*(Interruption)*...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए। मैं एलाऊ नहीं कर रहा हूं। Please, do not interrupt.

SHRI RAMA MUNI REDDY SIRIGIREDDY: Mr. Chairman, Sir, the Railway Budget presented by the hon. Railway Minister heavily concentrated on Bihar. The Chief Minister of Andhra Pradesh, belonging to the Ruling Party, described the Budget as, I quote, "the Railway Budget is roaming around the Bihar State", क्योंकि इन्होंने रेल बजट का बिहारीकरण कर दिया है। It is a Budget which has been derailed.

[THE VICE CHAIRMAN (SHRI SANTOSH BAGRODIA) in the Chair]

It is a directionless budget, and a budget, which is a silent spectator, that does not, know how to generate revenue, and from where to get the necessary resources that are required to complete the ongoing projects and the announcements which have been made by the Minister in his Budget Speech. I would not even hesitate to say that it is a 'Political